ईबॉला वायरस की बीमारी

24अप्रैल 2020

कॉसटिव एजेंट

इबोला वायरस(Ebola Virus)की बीमारी [ईवीडी(EVD); पूर्व में इबोला हेमोरहागिक फ़ीवर(Ebola Hemorrhagic Fever) के रूप में जाना जाता था], इबोला वायरस केसंक्रमण केकारण होता है। यह वायरस फिलोवेरिडे परिवार का सदस्य है। मनुष्यों में ईवीडी(EVD) से होने वाली औसत मृत्यु दर लगभग 50% है (पिछले प्रकोपों में 25% से90% के बीच रहीं)।

ईवीडी(EVD) पहली बार 1976 में दक्षिण सूडान और डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में इबोला नदी के पास स्थित एक गाँव में दिखाई दिया, जहाँ से इस बीमारी को इसका नाम मिला। तब से यह बीमारी छिटपुट रूप से प्रकट होती रहती है। ईवीडी(EVD) के पक्के मामले मुख्य रूप से अफ्रीकाके उप-सहारन से प्राप्त हुए हैं, जिसमें डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, गैबॉन, साउथ सूडान, कोटे डी'वायर, युगांडाऔर कांगो शामिल हैं।

1976 में पहली बार इबोला वायरसके प्रकाश में आने के बाद मार्च 2014 से जनवरी 2016 तक पश्चिमअफ्रीका में ईवीडी(EVD) का सबसे बड़ा प्रकोप देखा गया। इसमें मुख्य रूप से गुईनिया, लाइबेरिया और सिएरा लियोन प्रभावित हुए। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ़ कांगो में ईवीडी का प्रकोप अगस्त 2018 में प्रकट हुआ जिसमे अक्टूबर 2019तक 3000 से अधिक मामले सामने आए थे।

चिकित्सीय लक्षण

ईवीडी(EVD)एक गंभीर विकट वायरल बीमारी है जिसमें अक्सर बुखार, अत्यधिक कमजोरी, मांसपेशियों में दर्द, सिरदर्द और गले में खराश जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इसके बाद उल्टी, दस्त,लाल चकत्ते, जिगर एवं गुर्दे में तकलीफ देखी जा सकती है और कुछ मामलों में तो आंतरिक और बाहरी रक्तप्रवाह भी होता है।

संक्रमण के माध्यम

संक्रमित जानवरों के रक्त, स्राव,अंगों या शरीर के अन्य तरल पदार्थों के निकट संपर्क में आने से इबोला वायरस(Ebola Virus) का प्रवेश मानव आबादी में होता है। कुछ फल के चमगादड़ों को इबोला वायरस(Ebola Virus) का प्राकृतिक मेजबान माना जाता है। अफ्रीका के वर्षावन में बीमार या मृत पाए गए संक्रमित बनमानुष, गोरिल्ला, फल के चमगादड़, बंदर, वन मृग और साही को सँभालने के दौरान हुए संक्रमण का दस्तावेजीकरण किया गया है।

इसके बाद संक्रमित के रक्त, स्राव, अंगों या शरीर के अन्य तरल पदार्थों के प्रत्यक्ष संपर्क (टूटी हुई त्वचा या श्लेष्म झिल्ली के माध्यम से) या तरल पदार्थो द्वारा दूषित वातावरण के अप्रत्यक्ष संपर्क में आने से मानव-से-मानव संचरण के कारण समुदाय में फैलता है।

लोग तब तक संक्रमित होते हैं जब तक उनके रक्त और स्राव में वायरस मौजूद रहता है। दफनाते वक़्त संक्रमित मृत व्यक्ति के शरीर से सीधा संपर्क होना भी ईवीडी(EVD) के फैलने में भूमिका निभा सकता है। प्रभावित देशों में स्वास्थकर्मी अक्सर संक्रमण नियंत्रण उपायों का कड़ाई से पालन नहीं

करने के कारन ईवीडी से पीड़ित रोगियों के निकट संपर्क में आने पर संक्रमित हो जाते हैं।रोगियों के नमूने जैविक रूप से खतनाक होते है और उनकी जाँच उचित एवं नियंत्रित जैविक परिस्थितियों में होनी चाहिए।

हालांकि इबोला वायरस(Ebola Virus) के यौन संचरण की सूचना शायद ही प्राप्त हुई है। लेकिन वर्तमान साक्ष्यों के आधार पर, विश्व स्वास्थ्य संगठन(WHO) ने सिफारिश की है कि ईवीडी(EVD)संक्रमित व्यक्ति और उनके यौन सहयोगियों को या तो सभी प्रकार के यौन सम्भोग से दूर रहना चाहिएया लक्षणों के शुरुआत से 12 महीनों अथवा इबोला वायरस के दो बार नकारात्मक परीक्षण तक सही और लगातार निरोध का इस्तेमाल करते हुए सुरक्षित यौन सम्भोग करना चाहिए।

विकसित होने की अवधि

यह 2 से 21 दिनों तक हो सकता है।

उपचार

इस बीमारी का कोई विशिष्ट उपचार नहीं है।

संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए मरीजों को अलग से रखने का प्रबंध किया जाना चाहिए। गंभीर रूप से बीमार रोगियों को अधिक देखभाल की आवश्यकता होती है। मरीजों में अक्सर पानी की कमी हो जाती है और उन्हें मौखिक या नसों के माध्यम से पुन: पानी देने की आवश्यकता होती है।

स्वास्थ्यकर्मियों को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का प्रयोग करना चाहिए और संदिग्ध रोगियों की देखभाल करते समय सख्त संक्रमण नियंत्रण उपायों को पालन करना चाहिए।

रोक-थाम

वर्तमान में हांगकांग में ईवीडी(EVD) के लिए कोई पंजीकृत टीका उपलब्ध नहीं है। डब्ल्यूएचओ(WHO) के नेतृत्व में 2015 में गुईनिया में एक प्रमुख परीक्षण में आरवीअसवी(rVSV)–जेडइबीओवी(ZEBOV) नामक एक इबोला वैक्सीन को घातक वायरस के खिलाफ अत्यधिक सुरक्षित पाया गया था।

प्रभावित क्षेत्रों में जाने वाले यात्रियों में संक्रमण को रोकने के लिए यह महत्वपूर्ण है की वो निम्नलिखित उपायों का पालन करें :

- हाथ की स्वच्छता पे निरंतर ध्यान दें, खासकर मुंह, नाक या आंखों को छूने से पहले और बाद में; खाने से पहले; शौचालय का उपयोग करने के बाद, सार्वजनिक प्रतिष्ठानों जैसे कि हैंडरेल या डोर नॉब्स को छूने के बाद; या जब खांसी या छींकने के बाद हाथ सांस के स्राव से दूषित हो जाये। तरल साबुन और पानी से हाथ धोएंऔर कम से कम 20सेकंड के लिए रगड़ें।इसके बाद पानी से हाथ धो लें और एक साफ कपास या कागज के तौलिए के साथ सूखा लें। यदि हाथ धोने की सुविधा उपलब्ध नहीं है, या जब हाथ स्पष्ट रूप से गंदे नहीं हुए हैं, तो 70% से 80% शराब आधारित हैंड्रब के साथ हाथ की सफाई करना एक प्रभावी विकल्प है।
- बुखार से प्रभावित या बीमार व्यक्तियों के निकट संपर्क से बचें और मरीजों के रक्त, शरीर के तरल पदार्थों या फिर रोगियों के रक्त या शरीर के तरल पदार्थों से दूषित वस्तुओं के संपर्क से बचें।
- जानवरों के संपर्क से बचें।

- भोजन को सेवन से पहले अच्छी तरह पकाएं।
- यदि प्रभावित क्षेत्रों से लौटने के 21 दिनों के भीतर बीमार हो जाते हैं तो यात्रियों को तुरंत चिकित्सीय सलाह लेनी चाहिए और हाल में किये गए यात्रा के इतिहास के बारे में डॉक्टर को सूचित करना चाहिए ।